Date 16.9.25 period 2 time 10.30 am

Last subject (school of law> ancient period)

Comparative Table of Definitions of Law

सामाजिक संविदा का सिद्धांत (सोशल कॉन्ट्रैक्ट थ्योरी) **थॉमस हॉब्स जॉन लॉक: जीन-जैक्स रूसो:**

सामाजिक संविदा का सिद्धांत (सोशल कॉन्ट्रैक्ट थ्योरी) एक राजनीतिक और दार्शनिक सिद्धांत है, जिसके अनुसार राज्य और समाज की उत्पत्ति व्यक्तियों के आपसी समझौते या करार से हुई है।

इस सिद्धांत की मूल अवधारणा यह है कि:

- शुरू में लोग एक "प्राकृतिक अवस्था" में रहते थे, जहाँ कोई सरकार, नियम या कानून नहीं था।
- अलग-अलग विचारकों (जैसे हॉब्स, लॉक और रूसो) ने इस प्राकृतिक अवस्था का वर्णन अलग-अलग तरीके से किया है, किसी ने इसे भयानक और अराजक बताया तो किसी ने शांतिपूर्ण।
- इस अवस्था से निकलने के लिए, लोगों ने आपस में मिलकर एक समझौता किया। इस समझौते के तहत उन्होंने अपने कुछ अधिकार एक संप्रभु या शासक को सौंप दिए, जिसके बदले में उन्हें सुरक्षा, शांति और एक व्यवस्थित समाज मिला।
- इस समझौते से राज्य का निर्माण हुआ।

प्रमुख विचारक और उनके विचार

- थॉमस हॉब्स: उनका मानना था कि प्राकृतिक अवस्था में जीवन "अकेला, गरीब, बुरा, बर्बर और छोटा" होता था। इससे बचने के लिए लोगों ने अपनी सारी शक्तियाँ एक निरंकुश शासक को सौंप दीं।
- जॉन लॉक: उन्होंने कहा कि प्राकृतिक अवस्था में लोगों के पास जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के प्राकृतिक अधिकार थे। सरकार का काम इन अधिकारों की रक्षा करना है, और अगर सरकार ऐसा करने में विफल रहती है, तो लोग उसे हटा सकते हैं।
- जीन-जैक्स रूसो: उनके अनुसार, प्राकृतिक अवस्था में लोग सहज और स्वतंत्र थे, लेकिन समाज के विकास ने उन्हें भ्रष्ट कर दिया। उन्होंने एक ऐसे सामाजिक समझौते की बात की जिसमें लोग अपनी स्वतंत्रता को एक "सामान्य इच्छा" (जनरल विल) के अधीन कर देते हैं, जिससे समाज में सभी के लिए भलाई सुनिश्चित हो।

संक्षेप में, सामाजिक संविदा का सिद्धांत यह बताता है कि सरकार और नागरिक एक आपसी समझौते से बंधे होते हैं, जिसमें नागरिक अपने कुछ अधिकार छोड़ते हैं और बदले में सरकार से सुरक्षा और व्यवस्थित जीवन की अपेक्षा करते हैं।

Comparative Table of Natural Law School

(English + Hindi)

Period / कालखंड	**Time (समय)**	**Thinkers / विचारक**	**Contribution (English)**	**योगदान (हिन्दी)**
Ancient Period प्राचीन काल	5th Century BC – 3rd Century AD	**Socrates, Plato, Aristotle, *Stoics,* Cicero**	Natural law as universal moral order; law based on reason, not custom; Cicero: law is right reason in agreement with nature.	प्राकृतिक विधि को सार्वभौमिक नैतिक व्यवस्था माना; कानून तर्क पर आधारित होना चाहिए; सिसेरो ने कहा – "कानून प्रकृति के साथ सामंजस्य रखने वाला सही तर्क है।"
Medieval Period मध्यकालीन काल	4th – 14th Century AD	**Saint Augustine, Saint Thomas Aquinas**	Law connected with divine order; Aquinas distinguished eternal law, natural law, human law; morality linked with God's will.	विधि को ईश्वर की इच्छा से जोड़ा; एक्विनास ने शाश्वत विधि, प्राकृतिक विधि और मानव विधि में भेद किया।

Period / कालखंड	Time (समय)	Thinkers / विचारक	Contribution (English)	योगदान (हिन्दी)
Renaissance Period पुनर्जागरण काल	15th – 16th Century	**Grotius (1583–1645)**	Secularization of natural law; foundation of international law; social contract basis of society; law is valid even without divine authority.	प्राकृतिक विधि को धर्म से अलग किया; अंतरराष्ट्रीय विधि की नींव रखी; सामाजिक संविदा को समाज की नींव बताया।
Modern Period (Early Modern) आधुनिक काल (प्रारंभिक)	17th – 18th Century	**Hobbes, Locke, Rousseau**	Hobbes: absolute sovereign by contract; Locke: natural rights (life, liberty, property); Rousseau: general will & popular sovereignty.	हॉब्स – सामाजिक संविदा से सर्वशक्तिमान संप्रभु; लॉक – जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति की रक्षा; रूसो – सामूहिक इच्छा और जनसत्ता।
Modern Period (19th – 20th Century) आधुनिक काल (19वीं–20वीं सदी)	19th – 20th Century	**Stammler, Kohler, *Radbruch*, Fuller, Rawls**	Stammler: natural law with variable content; Kohler: natural law through cultural evolution; Fuller: inner morality of law; Rawls: justice as fairness (modern revival of natural law).	स्टैमलर – परिवर्तनीय सामग्री वाली प्राकृतिक विधि; कोहलर – संस्कृति के विकास से विधि; फुलर – विधि की आंतरिक नैतिकता; रॉल्स – न्याय को समानता के रूप में (प्राकृतिक विधि का आधुनिक रूप)।

प्राकृतिक विधि के विभिन्न विचारधाराओं की तुलनात्मक तालिका

पहलू	प्राचीन काल	मध्य युग	पुनर्जागरण काल	आधुनिक युग
प्रमुख विचारक	सुकरात, प्लेटो, अरस्तू, *स्टोइक*, सिसरो	संत ऑगस्टाइन थॉमस एक्विनास,	ह्यूगो ग्रोटियस, थॉमस हॉब्स, जॉन लॉक	इमैनुएल कांट, रुडोल्फ स्टैमलर, जॉन फिनिस
कानून का स्रोत	ईश्वर या प्रकृति की सार्वभौमिक व्यवस्था	दैवीय इच्छा और धर्मग्रंथ	मानव विवेक, समाज और कारण	नैतिकता, तर्क और मानव चेतना
सकारात्मक कानून से संबंध	सकारात्मक कानून को प्राकृतिक कानून का पालन करना चाहिए	सकारात्मक कानून को दैवीय कानून के अनुरूप होना चाहिए	कानून सामाजिक अनुबंध से उत्पन्न होता है और प्राकृतिक अधिकारों पर आधारित होता है	कानून नैतिक मूल्यों और न्याय पर आधारित होना चाहिए
मुख्य विचार	कानून को नैतिक मूल्यों और न्याय पर आधारित होना चाहिए	कानून धार्मिक मूल्यों और नैतिकता से जुड़ा है	कानून सामाजिक अनुबंध के आधार पर बनाया जाता है	कानून व्यक्ति की नैतिकता और तर्क पर आधारित होना चाहिए
कानून का उद्देश्य	व्यक्ति की प्राकृतिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा	कानून व्यक्ति को सही और गलत का रास्ता दिखाता है	समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखना	कानून को नैतिक और न्यायसंगत बनाने के लिए तर्क का प्रयोग करना

सामाजिक संदर्भ	कानून को सामाजिक व्यवस्था और न्याय को बनाए रखने में मदद करना चाहिए	कानून को धार्मिक मूल्यों और नैतिकता का पालन करना चाहिए	कानून को व्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए	कानून को सामाजिक भलाई को बढ़ावा देना चाहिए

Thinker	Definition in English	परिभाषा (हिंदी में)
Socrates	Socrates believed that just as there are natural physical laws, there is also a natural moral law. Man, through his inner insight, can recognize goodness or badness and thus discover absolute and eternal moral rules.	सुकरात का मानना था कि जैसे प्राकृतिक भौतिक नियम होते हैं, वैसे ही एक प्राकृतिक नैतिक नियम भी है। मनुष्य अपनी आंतरिक अंतर्दृष्टि के द्वारा अच्छाई और बुराई को पहचान सकता है और इस प्रकार शाश्वत एवं परम नैतिक नियमों की खोज कर सकता है।
Plato	According to Plato, law is the civilization of decorum and the guiding way through which human beings develop beyond their primitive animalistic stage. Humans often fail to know the best way of social life, and even if they do, personal interests restrain them. Law can be applied through instruction, but if ignored, sanctions are needed. Still, it is a moral duty to follow natural law.	प्लेटो के अनुसार, विधि शिष्टाचार की सभ्यता है और वह मार्ग है जिसके द्वारा मनुष्य अपनी आदिम पशुवत् अवस्था से आगे बढ़ता है। मनुष्य हमेशा उचित सामाजिक जीवन का सर्वोत्तम तरीका नहीं जानता, और यदि जान भी ले, तो स्वार्थ उसे नियंत्रित कर लेते हैं। विधि को निर्देशों द्वारा लागू किया जा सकता है, परंतु उपेक्षा होने पर दंड आवश्यक हो जाता है। फिर भी प्राकृतिक विधि का पालन करना नैतिक कर्तव्य है।
Aristotle	According to Aristotle, man is a part of nature because he is God's creature, and through his will he makes active use of reason. Law is a pure precept naturally directed towards the welfare of human beings. He defined law as "reason free from passions."	अरस्तू के अनुसार, मनुष्य प्रकृति का अंग है क्योंकि वह ईश्वर की रचना है और अपनी इच्छा से वह तर्क का सक्रिय उपयोग करता है। विधि एक शुद्ध उपदेश है, जो स्वाभाविक रूप से मानव कल्याण की ओर निर्देशित है। उन्होंने विधि को "भावनाओं से मुक्त तर्क" कहा।
Cicero	Cicero believed that prudence governs the world, and law is in harmony with nature, being universal, unchangeable, and eternal. Law commands duties and prohibits wrongful acts, and to go against natural law is itself a guilt.	सिसरो का मानना था कि विवेक संसार पर शासन करता है और विधि प्रकृति के पूर्ण सामंजस्य में है। यह सार्वभौमिक, अपरिवर्तनीय और शाश्वत है। विधि कर्तव्यों का आदेश देती है और बुरे कार्यों को निषिद्ध करती है। प्राकृतिक विधि का उल्लंघन करना स्वयं में अपराध है।

School of law

Medieval Period – Saint Augustine & Saint Thomas Aquinas

Saint Augustine

English:
According to Saint Augustine, law is rooted in divine command and derives its authority from God. He believed that natural law is a part of divine law, and human law must always conform to the higher law of God. If a human law contradicts divine law, it is not a true law.

हिंदी:
संत ऑगस्टिन के अनुसार, विधि की जड़ें ईश्वरीय आदेश में निहित हैं और इसकी सत्ता ईश्वर से प्राप्त होती है। उनका मानना था कि प्राकृतिक विधि, दैवीय विधि का एक भाग है और मानव निर्मित विधि को सदैव ईश्वर की उच्चतर विधि के अनुरूप होना चाहिए। यदि कोई मानव विधि दैवीय विधि का विरोध करती है तो वह वास्तविक विधि नहीं है।

Saint Thomas Aquinas

English:
Saint Thomas Aquinas systematized the theory of natural law. According to him, natural law is a part of divine law, and human reason is capable of discovering it. He emphasized four kinds of law: (1) **Eternal law** (God's plan), (2) **Divine law** (revealed in scriptures), (3) **Natural law** (discovered by human reason), and (4) **Human law** (made by rulers, valid only if in harmony with natural law).

हिंदी:
संत थॉमस एक्विनास ने प्राकृतिक विधि के सिद्धांत को व्यवस्थित रूप दिया। उनके अनुसार, प्राकृतिक विधि दैवीय विधि का एक भाग है और मनुष्य की बुद्धि उसे खोजने में सक्षम है। उन्होंने विधि के चार प्रकार बताए: (1) **शाश्वत विधि** (ईश्वर की योजना), (2) **दैवीय विधि** (धर्मग्रंथों में प्रकट), (3) **प्राकृतिक विधि** (मनुष्य की बुद्धि से ज्ञात), और (4) **मानव विधि** (शासकों द्वारा बनाई गई, परंतु तभी वैध जब यह प्राकृतिक विधि के अनुरूप हो)।

********** ********* ********** ********** ********** ******

Renaissance / Modern Period – Theories of Law हॉब्स, कोहलर, रॉल्स, फुलर.

Thinker	Definition in English	परिभाषा (हिंदी में)
Thomas Hobbes (1588–1679)	Hobbes considered law as the command of the sovereign, necessary to control the selfish and brutish nature of human beings. In the state of nature, life was "solitary, poor, nasty, brutish, and short." Therefore, people made a social contract, giving power to the sovereign, and law became the will of the sovereign.	हॉब्स के अनुसार, विधि शासक का आदेश है, जो मनुष्य की स्वार्थी और क्रूर प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है। प्राकृतिक अवस्था में जीवन "एकाकी, निर्धन, घृणित, क्रूर और अल्पकालिक" था। इसलिए लोगों ने सामाजिक अनुबंध करके सत्ता शासक को सौंप दी और विधि शासक की इच्छा बन गई।
Josef Kohler (1849–1919)	Kohler represented the historical school of jurisprudence. He believed that law is the product of human culture and civilization, and it develops gradually with the progress of society.	कोहलर ऐतिहासिक विधिशास्त्र के प्रवक्ता थे। उनके अनुसार, विधि मानव संस्कृति और सभ्यता की उपज है तथा यह समाज की प्रगति के साथ धीरे-धीरे विकसित होती है।
John Rawls (1921–2002)	Rawls propounded the theory of "Justice as Fairness." According to him, laws and institutions are just if they are arranged to provide equal basic rights, and social and economic inequalities are permitted only if they benefit the least advantaged members of society (difference principle).	रॉल्स ने "न्याय के रूप में निष्पक्षता" का सिद्धांत प्रस्तुत किया। उनके अनुसार, विधि और संस्थाएँ तभी न्यायसंगत हैं जब वे समान मौलिक अधिकार प्रदान करें, और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ तभी स्वीकार्य हैं जब वे समाज के सबसे वंचित वर्ग के हित में हों (अंतर सिद्धांत)।
Lon L. Fuller (1902–1978)	Fuller emphasized the "inner morality of law." He laid down eight principles (clarity, consistency, prospectivity, generality, possibility of compliance, congruence between rule and action, stability, and publicity) which make a legal system just and effective.	**फुलर ने विधि की** "आंतरिक नैतिकता" पर बल दिया। उन्होंने आठ सिद्धांत बताए **(स्पष्टता, संगति, भविष्यगामी प्रभाव, सार्वभौमिकता, पालन की संभावना, नियम और क्रिया का सामंजस्य, स्थिरता, और प्रचार)** जो किसी विधिक प्रणाली को न्यायसंगत और प्रभावी बनाते हैं।

Comparative Table of Theories of Law

Thinker	Definition in English	परिभाषा (हिंदी में)
Socrates	Socrates believed that just as natural physical laws exist, there is also a natural moral law. Man, through his inner insight, can distinguish good from bad and discover eternal moral rules.	सुकरात का मानना था कि जैसे प्राकृतिक भौतिक नियम होते हैं, वैसे ही एक प्राकृतिक नैतिक नियम भी है। मनुष्य अपनी अंतर्दृष्टि से अच्छाई-बुराई को पहचानकर शाश्वत नैतिक नियम खोज सकता है।
Plato	Law is the civilization of decorum, guiding humans to rise above their primitive animalistic stage. Humans often fail to know the best social life, and even if they do, self-interest restrains them. Law	प्लेटो के अनुसार, विधि शिष्टाचार की सभ्यता है जो मनुष्य को पशुवत अवस्था से ऊपर उठाकर विकास की ओर ले जाती है। मनुष्य अक्सर सर्वोत्तम सामाजिक जीवन नहीं जानता, और

Thinker	Definition in English	परिभाषा (हिंदी में)
	may require sanctions if ignored, but following natural law is a moral duty.	जानने पर भी स्वार्थ उसे रोकता है। विधि को लागू करने हेतु दंड आवश्यक हो सकता है, पर प्राकृतिक विधि का पालन करना नैतिक कर्तव्य है।
Aristotle	Man is part of nature as a creature of God. Law is a pure precept, directed towards human welfare. He defined law as "reason free from passions."	अरस्तू के अनुसार, मनुष्य प्रकृति का अंग और ईश्वर की रचना है। विधि एक शुद्ध उपदेश है जो मानव कल्याण की ओर निर्देशित है। उन्होंने विधि को "भावनाओं से मुक्त तर्क" कहा।
Cicero	Law is in harmony with nature, universal, unchangeable, and eternal. It commands duties and prohibits wrongs. To go against natural law is guilt.	सिसरो के अनुसार, विधि प्रकृति के अनुरूप है, सार्वभौमिक, अपरिवर्तनीय और शाश्वत है। यह कर्तव्यों का आदेश देती है और बुरे कार्यों को निषिद्ध करती है। प्राकृतिक विधि का उल्लंघन करना अपराध है।
Saint Augustine	Law derives its authority from God. Natural law is part of divine law, and human law must conform to it. A law contrary to divine law is not a true law.	संत ऑगस्टिन के अनुसार, विधि की सत्ता ईश्वर से आती है। प्राकृतिक विधि दैवीय विधि का भाग है और मानव विधि को इसके अनुरूप होना चाहिए। दैवीय विधि के विपरीत कोई भी मानव विधि वास्तविक विधि नहीं है।
Saint Thomas Aquinas	Systematized natural law: (1) Eternal law (God's plan), (2) Divine law (revealed), (3) Natural law (reason), (4) Human law (valid only if aligned with natural law).	संत थॉमस एक्विनास ने प्राकृतिक विधि को व्यवस्थित किया: **(1) शाश्वत विधि (ईश्वर की योजना), (2) दैवीय विधि (प्रकट), (3) प्राकृतिक विधि (तर्क से ज्ञात), (4) मानव विधि (केवल तभी वैध जब प्राकृतिक विधि के अनुरूप हो)।**
Thomas Hobbes	Law is the command of the sovereign to control the selfish, brutish human nature. In the state of nature, life was "solitary, poor, nasty, brutish, and short." Hence, people made a social contract giving power to the sovereign.	हॉब्स के अनुसार, विधि शासक का आदेश है जो स्वार्थी और क्रूर मानव स्वभाव को नियंत्रित करती है। प्राकृतिक अवस्था में जीवन "एकाकी, निर्धन, घृणित, क्रूर और अल्पकालिक" था। इसलिए लोगों ने सामाजिक अनुबंध कर सत्ता शासक को सौंप दी।
Josef Kohler	Law is a product of human culture and civilization, evolving gradually with society's progress.	कोहलर के अनुसार, विधि मानव संस्कृति और सभ्यता की उपज है और यह समाज की प्रगति के साथ धीरे-धीरे विकसित होती है।
John Rawls	Propounded "Justice as Fairness." Laws are just if they ensure equal basic rights and allow inequalities only when they benefit the least advantaged (difference principle).	रॉल्स ने "न्याय के रूप में निष्पक्षता" का सिद्धांत दिया। विधि तभी न्यायसंगत है जब वह समान मौलिक अधिकार दे और असमानताएँ केवल तभी स्वीकार्य हों जब वे सबसे वंचित वर्ग के हित में हों (अंतर सिद्धांत)।
Lon L. Fuller	Emphasized "inner morality of law." Laid down 8 principles (clarity, consistency, prospectivity, generality, possibility of compliance, congruence, stability, publicity) necessary for a just legal system.	फुलर ने विधि की "आंतरिक नैतिकता" पर बल दिया। उन्होंने 8 सिद्धांत बताए **(स्पष्टता, संगति, भविष्यगामी प्रभाव, सार्वभौमिकता, पालन की संभावना, सामंजस्य, स्थिरता, प्रचार)** जो किसी विधिक प्रणाली को न्यायसंगत बनाते हैं।